



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्रतिधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 73]

नई दिल्ली, सोमवार, मार्च 1, 1982/फल्गुन 10, 1903

No. 73]

NEW DELHI, MONDAY, MARCH 1, 1982 PHALGUNA 10, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ सख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

वित्त मंत्रालय  
(आर्थिक कार्य विभाग)  
शेयर बाजार प्रभाग  
अधिसूचनाएं

नई दिल्ली, 1 मार्च, 1982

का.आ० 106(अ)—प्रतिभूति सन्धिदा (विनियमन) अधिनियम,  
1956 (1956 का 42वां अधिनियम) की धारा 4 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों  
का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा भारत सरकार के वित्त  
मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) के का० आ० 669 (अ), दिनांक 15  
सितम्बर, 1977 को रद्द करती है।

[सं० 1/32/एम०ई०/80]

MINISTRY OF FINANCE  
(Department of Economic Affairs)  
Stock Exchange Division

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 1st March, 1982

S.O. 106(E).—In exercise of the powers conferred by section 4 of the Securities Contracts (Regulations) Act, 1956 (42 of 1956), the Central Government hereby rescinds the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) No. S.O. 669(E), dated the 15th September, 1977.

[No. F. 1/32/SE/80]

1385G1/81

का.आ० 107(अ).—केन्द्रीय सरकार, अहमदाबाद शेयर तथा स्टॉक  
ब्रोकर एंड सेक्युरिटीज अहमदाबाद (जिसे इसमें इसके पश्चात् एक्सचेंज कहा  
गया है) के द्वारा प्रतिभूति सन्धिदा (विनियमन) अधिनियम, 1956  
(1956 का 42वां अधिनियम) की धारा 3 के अन्तर्गत मान्यता के  
लिए विचारण आवश्यक-पत्र पर विचार करने और हम बात से सन्तुष्ट  
होने के बाद कि ऐसा करना व्यापार के हित में तथा लोकहित में भी  
होगा, प्रतिभूति सन्धिदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 की धारा 4  
के द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एतद्वारा हम एक्सचेंज को  
उपरोक्त अधिनियम की धारा 1 के अन्तर्गत स्थायी आधार पर प्रति-  
भूतियों की सन्धिदाओं के सम्बन्ध में ऐसी शर्तों के अनुसार जो बाव में  
निर्धारित की जाएगी अथवा लागू की जाएगी, मान्यता प्रदान करती  
है।

[संख्या 1/32/एम०ई०/80]

S.O. 107(E).—The Central Government, having considered the application for recognition made under section 3 of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (42 of 1956) by the Ahmedabad Share and Stock Brokers' Association, Ahmedabad (hereinafter referred to as the Exchange) and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by section 4 of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956, recognition to the Exchange under section 4 of the said Act, on a permanent basis, in respect of contracts in securities subject to such conditions as may be prescribed or imposed hereafter.

[No. F. 1/32/SE/80]

(183)

कांआ० 108(अ).—प्रतिभूति संहिता (विनियमन) अधिनियम, 1956 (1956 का 42वां अधिनियम) की धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) के कांआ० 817(अ), दिनांक 2 दिसम्बर, 1977 को रद्द करती है।

[संख्या 1/32/एस०ई०/80]

**S.O. 108(E).**—In exercise of the powers conferred by section 4 of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (42 of 1956) the Central Government hereby rescinds the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) No. S.O. 817(E), dated the 2nd December, 1977.

[No. F. 1/32/SE 80]

कांआ० 109(अ).—केन्द्रीय सरकार दिल्ली स्टॉक एक्सचेंज एसोसिएशन लिमिटेड नई दिल्ली के द्वारा प्रतिभूति संहिता (विनियमन) अधिनियम, 1956 (1956 का 42वां अधिनियम) की धारा 3 के अन्तर्गत मान्यता के लिए दिए गए आवेदन-पत्र पर विचार करने और उस बात से सन्तुष्ट होने के बाद कि ऐसा करना व्यापार के हित में तथा लोकहित में भी होगा प्रतिभूति संहिता (विनियमन) अधिनियम 1956 की धारा 4 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए एतद्वारा इस एक्सचेंज को उपर्युक्त अधिनियम की धारा 4 के अन्तर्गत स्थाई आधार पर प्रतिभूतियों के सविदाओं के संबंध में ऐसी अन्य शर्तों के अनुसार जो बाद में निर्धारित की जाएगी अवकाशपूर्वकी जाणगी, मान्यता प्रदान करती है।

[संख्या 1/32/एस०ई०/80]

**S.O. 109(E).**—The Central Government, having considered the application for recognition made under section 3 of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (42 of 1956) by the Delhi Stock Exchange Association Limited, New Delhi and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do hereby grants, in exercise of the powers conferred by section 4 of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 recognition to the said Exchange under section 4 of the said Act, on a permanent basis, in respect of contracts in securities subject to such conditions as may be prescribed or imposed hereafter.

[No. F. 1/32/SE/80]

कांआ० 110(अ).—प्रतिभूति संहिता (विनियमन) अधिनियम, 1956 (1956 का 42वां अधिनियम) की धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) के कांआ० 689 (अ), दिनांक 27 सितम्बर, 1977 को रद्द करती है।

[सं० 1/33/एस०ई०/80]

**S.O. 110(E).**—In exercise of the powers conferred by section 4 of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (42 of 1956), the Central Government hereby rescinds the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) No. S.O. 689(E), dated the 27th September, 1977.

[No. F. 1/33/SE 80]

कांआ० 111(अ).—केन्द्रीय सरकार, मद्रास स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड, मद्रास के द्वारा प्रतिभूति संहिता (विनियमन) अधिनियम, 1956 (1956 का 42वां अधिनियम) की धारा 3 के अन्तर्गत मान्यता के लिए दिए गए आवेदन-पत्र पर विचार करने और इस बात से सन्तुष्ट होने के बाद कि ऐसा करना व्यापार के हित में तथा लोकहित में भी होगा, प्रतिभूति संहिता (विनियमन) अधिनियम 1956 का धारा 4 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए एतद्वारा इस एक्सचेंज को उपर्युक्त अधिनियम की धारा 4 के अन्तर्गत, स्थाई आधार पर प्रतिभूतियों के सविदाओं के संबंध में ऐसी अन्य शर्तों के अनुसार जो बाद में निर्धारित की जाएगी अवकाशपूर्वकी जाणगी, मान्यता प्रदान करती है।

[सं० 1/33/एस०ई०/80]

एन० के० सेन गुप्ता, सचिव

**S.O. 111(E).**—The Central Government, having considered the application for recognition made under section 3 of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (42 of 1956) by the Madras Stock Exchange Limited, Madras and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by section 4 of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956, recognition to the said Exchange under section 4 of the said Act, on a permanent basis, in respect of contracts in securities subject to such conditions as may be prescribed or imposed hereafter.

[No. F. 1/33/SE/80]

N. K. SEN GUPTA, Jt. Secy.